

अध्याय-5

अध्याय 5

5.0.0 सारांश:-

यह अध्याय, जो वर्तमान अन्वेषण का अन्तिम अध्याय है, अध्ययन का संक्षिप्त सार प्रस्तुत करता है। अध्ययन की आवश्यकता और महत्व, समस्या का विवरण, अध्ययन के उद्देश्य, परिकल्पना, अनुमान, अध्ययन का परिसीमन, अनुसंधान के निष्पादन की प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण की योजना, आगे के शोध के लिए निष्कर्ष और सुझाव इस अध्याय में उल्लिखित किए गए हैं

ई-सामग्री के माध्यम से सीखना महत्वपूर्ण और सक्रिय को प्रोत्साहित करता है

ई-सामग्री सामग्री के साथ सीख रहा है, शिक्षार्थी और शिक्षक समझ जाएगा कि वह के प्रदाता से बदल रहा है।

सीखने के माहौल को सुगम बनाने वाले के लिए धारणा है कि यह जांच तैयार करने का प्रयास करती है।

ई-सामग्री दृष्टिकोण के माध्यम से एक नवीन शिक्षण तकनीक।

मनुष्य विभिन्न संवेदी से जानकारी को एकीकृत कर सकते हैं।

सार्थक अनुभवों में उत्तेजना यह अनुभवजन्य अध्ययन साबित किया कि ई-सामग्री छात्रों की तृतीयक स्तर पर उपलब्धि को बढ़ाती है। जीव विज्ञान शिक्षण में नवीन विधियों की आवश्यकता

भारत में प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे विभिन्न श्रेणियों जैसे ग्रामीण, अर्ध-शहरी और शहरी और निम्न, औसत और उच्च आय वर्ग के परिवारों से संबंधित हैं। गाँव के स्कूलों में अधिकांश बच्चे पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। उनकी बुद्धि का स्तर भी भिन्न होता है।

भारतीय कक्षाओं में जीव विज्ञान का प्रभावी शिक्षण प्रभावी पद्धति से ही संभव होगा।

कोठारी आयोग की रिपोर्ट (1960) में कहा गया है कि अगर विज्ञान को खराब तरीके से पढ़ाया जाता है और बुरी तरह से सीखा जाता है, तो यह दिमाग पर मृत सूचनाओं के बोझ से थोड़ा अधिक है और यह नए अंधविश्वासों में भी बदल सकता है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ विषय जीव विज्ञान तकनीकी युग में सभी के लिए इतना महत्वपूर्ण हो जाता है कि शिक्षण की तकनीकों में किसी भी प्रगति का स्वागत किया जाना चाहिए।

जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) द्वारा प्रस्तावित किया गया है, समस्या समाधान, गतिविधि और प्रासंगिकता के तत्वों को शामिल करने के लिए उपयुक्त अनुसंधान और विकास के माध्यम से पाठ्यक्रम और सीखने की पद्धति को संशोधित करने की तत्काल आवश्यकता है। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने छात्रों की जीव विज्ञान उपलब्धियों में प्रभाव की तलाश के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण सीखने की रणनीति का चयन किया है।

रचनावादी उपागम में गतिविधियों को महत्व दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को ज्ञान का निर्माण करने में मदद मिलेगी। पारंपरिक रणनीतियों के विपरीत गतिविधि आधारित रणनीतियाँ 'करके सीखने' पर जोर देती हैं। जीव विज्ञान सीखने में गतिविधि आधारित रणनीति में स्कूल और समुदाय में प्राकृतिक शक्तियों के साथ करना, पढ़ना, काम करना, सोचना, योजना बनाना, सहयोग करना और समझदारी से काम करना शामिल है। गतिविधि विधियों का उपयोग बच्चे में इस प्राकृतिक जिज्ञासा और पहल को व्यापक गुंजाइश देता है। वे विद्यार्थियों को अवलोकन और सोच, संज्ञानात्मक गतिविधि और मन की स्वतंत्रता की उत्सुकता विकसित करने में मदद करते हैं।

जीव विज्ञान एक ऐसा अनुशासन है जो हर किसी के जीवन में महत्वपूर्ण है। बच्चों को स्कूल में प्रमुख जैविक अवधारणाओं को सीखना चाहिए ताकि वे जीवन में बाद में इन कौशलों का उपयोग कर सकें (सरमा और क्लेमेंट्स, 2009)।

आधुनिक दुनिया में रोजगार और रोजमर्रा के जीवन के लिए जीव विज्ञान का महत्व बढ़ रहा है, आज कई नौकरियों में काम करने के लिए आवश्यक मात्रात्मक ज्ञान में लगातार वृद्धि के कारण लोगों को जीव विज्ञान में कठिनाई हो रही है, जिसमें कई ब्लू कॉलर जॉब (पार्सन्स, बायनर) शामिल हैं। 1997)।

जब वे कक्षा में नियमित रूप से पढ़ते हैं तो बच्चे विकास, विकास, पशु, पौधों अवधारणाओं जैसी जैविक अवधारणाओं को समझने में समस्या महसूस करते हैं। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, यदि वे गतिविधि पद्धति के माध्यम से सीखते हैं तो वे बिना किसी दबाव के बेहतर तरीके से सीखते हैं और यह बच्चों को खुश करता है और उन्हें सीखने में रुचि रखता है। गतिविधियाँ बच्चों को प्रारंभिक आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने में सहायता करती हैं। छोटे बच्चों को शब्दों को समझने में सक्षम होने से पहले बहुत सारे 'करने' और 'कहने' का अनुभव करने की आवश्यकता होती है।

अन्य विषयों की तुलना में विज्ञान का हमारे दैनिक जीवन से गहरा संबंध है। विज्ञान शिक्षा का केंद्रीय लक्ष्य सोचने और तर्क करने की क्षमता विकसित करना है। लेकिन छात्रों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा होती है, वे मुख्य रूप से दोषपूर्ण शिक्षाशास्त्र के कारण जीव विज्ञान को एक दिलचस्प विषय के रूप में महसूस करते हैं।

दोषपूर्ण शिक्षाशास्त्र की कमियों को दूर करने के लिए शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक सुधार के लिए नए दृष्टिकोण अपनाए जाने चाहिए। पश्चिम में सीखने के विभिन्न उपागमों पर शोध किए गए हैं लेकिन भारत में ऐसे प्रयोग बहुत कम हैं।

सीखने के कुछ नए उपागमों के लाभों को देखते हुए यह आवश्यक है कि भारत में नए अधिगम उपागमों की जांच की जाए।

गणित सीखने की विभिन्न विधियाँ हैं। गतिविधि आधारित शिक्षण शिक्षण पद्धति भारतीय स्कूलों में बहुत दुर्लभ है। गतिविधि आधारित शिक्षण शिक्षण रणनीति अधिक अनुभव देती है और साथ ही कक्षा में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। . गतिविधि आधारित शिक्षण अधिगम रणनीतियां जीव विज्ञान सीखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं